

(Tax - Revenue & Non Tax Revenue)

B.A. Part 2
Paper IVth

★

कर राजस्व (Tax Revenue)

संघ सूची में 100 अंश/प्रविष्टियाँ (entries) हैं, जिनमें से निम्नलिखित केन्द्र सरकार के कर राजस्व की मदें हैं-

1. कृषि-मिश्र आय पर कर (अंश 82);
2. सीमा शुल्क, निर्यात शुल्क सहित (अंश 85);
3. भारत में उत्पादन अथवा निर्माण तथा अन्य वस्तुओं पर उत्पादन शुल्क (excise duty) सिक्य
(क) मानवीय उपभोग के लिए शराब (alcoholic liquors) के, तथा
(ख) अफीम देसी भाँग तथा अन्य नशीली औषधियों एवं मादक पदार्थों के (परंतु ऐसी औषधीय और प्रसाधन सामग्रियों को छोड़कर जिनमें इन पदार्थों का प्रयोग किया गया हो) (अंश 84);
4. निगम कर (Corporation tax) (अर्थात् कंपनियों की आय पर कर; इसकी परिभाषा संविधान के अनुच्छेद 346 में दी गई है) (अंश 83);
5. कृषि भूमि को छोड़कर व्यक्तियों और कंपनियों की संपत्तियों के पूंजी मूल्य पर कर, कंपनियों की पूंजी पर कर (अंश 87);
6. कृषि भूमि को छोड़कर अन्य संपत्ति पर संपदा कर (estate duty) (अंश 81);
7. कृषि भूमि को छोड़कर अन्य संपत्ति पर अर्थांतरण (Succession) कर (अंश 83);
8. रेलवे, सागर तथा वायु यातायात से जाने वाले यात्रियों और वस्तुओं पर अंतस्थ कर (Terminal taxes); रेल के किराओं और भाड़ों पर कर (अंश 89);
9. स्टॉक एक्सचेंज और आगामी बाजारों (Future markets) में होने वाले सौदों पर स्टाम्प शुल्कों को छोड़कर अन्य कर (अंश 90);
10. विनिमय फों (bills of exchange) चैकों, प्रीनोटों (प्रॉमिसरी नोटों), लान फों (bills of lading), साख फों (letters of credit) तथा बीमा पॉलिसियों, शेयरों, ऋण फों (debentures), प्रतिफों (proxies) और रसीदों के हस्तांतरण पर स्टाम्प शुल्क की दरें (अंश 91);
11. सामाचार-फों के क्रय-विक्रय पर तथा उनमें प्रकाशित विज्ञापनों, तथा रेडियो और टेलीविजन पर प्रसारित प्रसारित विज्ञापनों पर कर (अंश 92);
12. सामाचार-फों को छोड़कर अन्य वस्तुओं के क्रय-विक्रय पर कर जब यह क्रय-विक्रय अंतर्राज्यीय व्यापार अथवा वाणिज्य के कारण हो (अंश 92-A);

13. व्यापार अथवा वाणिज्य के लिए वस्तुओं के अंतर्राज्यीय प्रेषण (consignments) पर कर (इंडराज 92-B);
14. सेवाओं पर कर (इंडराज 92-C);
15. इस सूची में संबंधित मामलों पर वे फीसें जो किसी न्यायालय में ली गई हों (इंडराज 96);
16. सुप्रीम कोर्ट (उच्चतम न्यायालय) में ली गई फीसें (इंडराज 99);
17. कोई भी अन्य कर जिसका वर्णन राज्य सूची अथवा सहवर्ती सूची में न हो।

★

(Non-Tax Revenue) कर-बिना राजस्व

केंद्रीय सरकार के कर-बिना राजस्व में निम्नलिखित मदें शामिल हैं-

1. उधार-संविधान के अनुच्छेद 292 के अंतर्गत भारत सरकार भारत की समेकित निधि (Consolidated Fund of India) की आवश्यकता (guarantee) के आधार पर देश के अंदर से तथा विदेशों से उधार ले सकती है। इस संदर्भ में संसद को अपनी इच्छानुसार ऋण की मात्रा को सीमाबद्ध करने का अधिकार है।

2. उद्यम तथा स्वयंसेवा-इस वर्ग में कैंसी, सिक्का निर्माण तथा टकसाल, भारतीय रिज़र्व बैंक, रेलवे, डाक-तार तथा अन्य वाणिज्यिक और गैर-वाणिज्यिक उद्यम, तथा भाटखानों आदि से होने वाली आय शामिल है।

3. प्रशासनिक कर्मकलाप तथा आधिपत्य (Sovereign Rights)- इन प्राप्तियों के उदाहरणों में (क) सरकारी संपत्ति से आय, (ख) व्ययगमन (lapsus) तथा राजगमन (escheat) से मिलने वाली आय तथा अथवा संपत्ति, (ग) युद्धसति पूर्ति (war indemnities) (घ) तथा क्षति की खेती, निर्माण तथा निर्यात आदि से होने वाली आय आदि शामिल हैं।